Ahoi Ashtami Aarti

जय अहोई माता, जय अहोई माता।
तुमको निसदिन ध्यावतहर विष्णु विधाता॥

ब्रह्माणी, रुद्राणी, कमलातू ही है जग माता।
जो कोई तुमको ध्यावतनित मंगल पाता॥

तू ही पाताल बसंती, तू ही है शुभ दाता।
कर्म–प्रभाव प्रकाशकजगनिधि से त्राता॥

जिस घर थारो वासावाहि में गुण आता।
कर न सके सोई कर लेमन नहीं धड़काता॥

तुम बिन सुख न होवेन कोई पुत्र पाता।
खान–पान का वैभवतुम बिन नहीं आता॥

शुभ गुण सुंदर युक्ताक्षीर निधि जाता।
रतन चतुर्दश तोकूकोई नहीं पात॥

श्री अहोई माँ की आरतीजो कोई गाता।
उर उमंग अति उपजेपाप उतर जाता॥

InstaAstro